Pradesh), Shri Krishan Lal Panwar (Haryana), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik, (Maharashtra), Shrimati Sangeeta Yadav (Uttar Pradesh), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra) Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shri Sujeet Kumar (Odisha) and Shrimati Maya Naroliya (Madhya Pradesh).

Concern over the costly treatment of Cancer in the country

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): धन्यवाद, उपसभापति महोदय। आपने एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर मुझे अपनी बात कहने का मौका दिया। मान्यवर, कैंसर की बीमारी बहुत बड़ी और गंभीर बीमारी है। इसमें आदमी दो तरीके से टूटता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है, वह शारीरिक रूप से टूटता है और उसका परिवार आर्थिक रूप से टूटता है। इसके आंकड़े चौंकाने वाले हैं। जितनी तेजी के साथ हिंदुस्तान में कैंसर की बीमारी बढ़ रही है, उस पर हम सबको, पूरे सदन को और सरकार को चिंता करने की और कदम उठाने की आवश्यकता है। महोदय, WHO की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले तीन साल में 22 लाख लोगों की मौत कैंसर से हुई है। अकेले 2022 में 9 लाख लोगों की मौत कैंसर से हुई है। हमारे देश में कैंसर से इतने लोगों की जान चली जा रही है, जितनी किसी देश की आबादी नहीं है। मैं देशों की आबादी देख रहा था, तो भूटान की आबादी 7 लाख, 80 हजार है, गुयाना की आबादी 8 लाख है, लक्ज़मबर्ग की आबादी 6 लाख 53 हजार है। मालदीव की आबादी 5 लाख, 24 हज़ार है।

महोदय, जितनी किसी देश की आबादी नहीं है, उससे ज्यादा लोग हमारे देश में कैंसर से मर रहे हैं।

मान्यवर, इसके बारे में पार्लियामेंटरी स्टैंडिंग कमेटी की एक रिपोर्ट है, जो इस सरकार के सामने विचाराधीन है। उसके अध्यक्ष, प्रो. राम गोपाल यादव जी यहाँ पर मौजूद हैं। वह रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में है। महोदय, उसकी कुछ रिकमंडेशन्स हैं, जिनको देश के अंदर लागू करना बहुत आवश्यक है। वह रिपोर्ट साफ तौर पर यह कहती है कि इस देश के अंदर 25 प्रतिशत लोगों के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल्स में फ्री इलाज कराने की व्यवस्था की जाए। सरकार के द्वारा ऐसा कानून बनाया जाए कि 25 परसेंट फ्री इलाज कैंसर के मरीजों को प्राइवेट हॉस्पिटल्स के अंदर मिले।

मान्यवर, दूसरी बात यह है कि छोटे-छोटे बच्चों में जो कैंसर हो रहा है, उनको देखकर परिवार पीड़ित होता है, क्योंकि बचने की कोई उम्मीद नहीं होती है। वे अपना घर बेचकर, जमीन बेचकर उनका इलाज कराते हैं, इसलिए अगर किसी बच्चे को कैंसर की बीमारी होती है, तो इस तरह के बच्चों का इलाज पूरे तरीके से फ्री किया जाए। महोदय, यह दूसरी सिफारिश उसमें की गई है।

मान्यवर, बड़े दुर्भाग्य की बात है कि हैजा, मलेरिया और मेनिन्जाइटिस जैसी तमाम बीमारियाँ सरकार द्वारा नोटिफाई की गई हैं, लेकिन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी अधिसूचित नहीं की गई है, नोटिफाई नहीं की गई है, इसलिए यह भी एक चिंता का विषय है।

मान्यवर, मैं अंत में सिर्फ इतना कहूंगा कि इस बीमारी को नोटिफाई किया जाए।...(**समय की घंटी**)..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Sanjay Singh: Shri Sanjeev Arora (Punjab), Shri Digvijaya Singh (Madhya Pradesh), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Shri M. Shanmugam (Tamil Nadu), Shri Pramod Tiwari (Rajasthan), Shri Ramji (Uttar Pradesh), Shri Ravi Chandra Vaddiraju (Telangana), Shri Javed Ali Khan (Uttar Pradesh), Prof. Manoj Kumar Jha (Bihar), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Shrimati Renuka Chowdhury (Telangana), Prof. Ram Gopal Yadav (Uttar Pradesh), Ms. Dola Sen (West Bengal), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana), Shri Jose K. Mani (Kerala), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Shrimati Jaya Amitabh Bachchan (Uttar Pradesh) Shrimati Sudha Murty (Nominated), Shri Derek O'Brien (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Haris Beeran (Kerala), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Dr. V. Sivadasan (Kerala) and Dr. Fauzia Khan (Maharashtra).

श्री उपसभापति: धन्यवाद, संजय जी। Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba, "Demand to declare the Ema Keithel (Women Market) of Manipur as a Living Cultural Heritage Site."

Demand to declare the Ema Keithel (Women Market) of Manipur as a living cultural heritage site

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA (Manipur): Sir, my Zero Hour submission is 'Demand to declare the Ema Keithel (Women Market) of Manipur as a Living Cultural Heritage Site. In Manipuri, 'Ima' means Mother and 'Keithel' means Market, that is, 'Mother's Market'. It is also popularly known as Khwairamband Ima Keithel, situated at the heart of Imphal city, Manipur. It is one of the oldest women markets in Asia, run only by women folks, and no male traders are allowed to open stalls or shop there. It has a very long mythological story about its establishment. It is not only a commercial hub but it also occupies a vital socio-economic space in the